

अमृत सरोवर मशिन

प्रलिस के ललल:

अमृत सरोवर मशिन, आजादी का अमृत महोत्सव, मनरेगा, XV वतलत आयोग अनुदान, पीएमकेएसवाई ।

मेन्स के ललल:

सरकारी हसुतकषेप और नीतलतलँ, XV वतलत आयोग अनुदान, अमृत सरोवर मशिन ।

चरुा में कुतलँ?

केंदुर सरकार ने रेल मंतुरालय और भारतीय राष्ट्रलतल राजमार्ग प्ररधकलरण (NHAI) से कहा है कल वे अमृत सरोवर मशिन के तहत देश भर के सभी जललँ में तालाबलँ/टँकुलँ से खुदाई की गई मृदा/गाद का उपयोग अपनी बुनतलदी ढँचा परतलोजनालँ के ललल करँ ।

अमृत सरोवर मशिन:

- **परचलतल:**
 - अमृत सरोवर मशिन 24 अपुरैल 2022 को जल संरकुषण के उदुदेशुत से शुरु कतल गतल थर ।
- **लकुषुतल:**
 - मशिन का उदुदेशुत आजादी का अमृत महोत्सव के उत्सव के रूप में देश के प्रतुतुके जललँ में 75 जल नकलतलँ का वकलस और कतलकलप करना है ।
 - कुल मललकर इससे लगभग एक एकड़ तल उससे अधकल आकार के 50,000 जलरशुतलँ का नरलमाण हुगल ।
 - मशिन इन प्रतलरसलँ को पूरर करने के ललल नरगरकल और गैर-सरकारी संसरधनलँ को जुटरने को प्ररतुतुसरहतल करता है ।
- **शरमलल मंतुररलतल:**
 - यह मशिन 6 मंतुररलतलँ/वभलगतलँ के सरथ संपूरण सरकारी दृषुकलण के सरथ शुरु कतल गतल है, अरुथरतु:
 - ग्ररमीण वकलस वभलग
 - भूमल संसरधन वभलग
 - पेतलजल एवं सुवकुषुतल वभलग
 - जल संसरधन वभलग
 - पंचरतलती ररज मंतुररलतल
 - वन, परतुवरण और जलवरतुतल परवलरुतन मंतुररलतल ।
- **तकनीकी भरगीदरर:**
 - भरसुकररकररुतल राष्ट्रलतल अंतुररकुष अनुप्रतुग और भू-सूकुनर वजुतलन संसुथरन (BISAG-N) को मशिन के ललल तकनीकी भरगीदरर के रूप में नतुतुकुत कतल गतल है ।
- **वभनलन तलजुनरलँ के सरथ पुन: धुतलन केंदुरतल करनर:**
 - यह मशिन ररजुतलँ और जललँ के मरधुतल से मनरेगल, XV वतलत आयोग अनुदान, पीएमकेएसवाई उतल तलजुनरलँ जैसे वरटरशेड वकलस घटक, हर खेत को पननी के अलरवल ररजुतलँ की अपनी तलजुनरलँ पर फरर से धुतलन केंदुरतल करके कलम करता है ।
- **लकुषुतल:**
 - मशिन अमृत सरोवर को 15 अगसुत 2023 तक पूरर कतल जरनर है ।
 - देश में कररीब 50,000 अमृत सरोवर बनरए जरने हैं ।
 - इनमें से प्रतुतुके अमृत सरोवर 10,000 घन मीटर की जल धरण कुषमतल के सरथ 1 एकड़ कुषेतुर में हुगल ।
 - मशिन में लुगुलँ की भरगीदररी केंदुर में है ।
 - सुथरनलतल सुवतंतुरतल सेनरनी, उनके परवलर के सदसुतल, शहुीद के परवलर के सदसुतल, पदुम पुरसुकर वजुतल और सुथरनलतल कुषेतुर के नरगरकल जहुँ अमृत सरोवर का नरलमाण कतल जरनर है, सभी चरणुलँ में संलगुन रहँगे ।
 - प्रतुतुके 15 अगसुत को प्रतुतुके अमृत सरोवर सुथल पर राष्ट्रलतल धुवजररुहण कल आतुजुन कतल जरएगल ।
- **उतलबधुतलँ:**

- अब तक राज्यों/ज़िलों द्वारा अमृत सरोवरों के निर्माण के लिये 12,241 स्थलों को अंतिम रूप दिया जा चुका है, जिनमें से 4,856 अमृत सरोवरों पर काम शुरू हो गया है।

आज़ादी का अमृत महोत्सव:

- आज़ादी का अमृत महोत्सव स्वतंत्रता के 75 वर्ष और अपने लोगों, संस्कृति और उपलब्धियों के गौरवशाली इतिहास को मनाने के लिये भारत सरकार की एक पहल है।
- यह महोत्सव भारत के लोगों को सम्पत्ति है, जिन्होंने न केवल भारत को अपनी विकासवादी यात्रा में शामिल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, बल्कि इसमें आत्मनिर्भर भारत द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भारत 2.0 को सक्रिय करने के दृष्टिकोण को सक्षम करने की शक्ति और क्षमता भी है।
- 12 मार्च 2021 को आज़ादी का अमृत महोत्सव की आधिकारिक यात्रा शुरू हुई, जसिने हमारी स्वतंत्रता की 75वीं वर्षगाँठ के लिये 75-सप्ताह की उलटी गिनती शुरू की जो 15 अगस्त 2023 को एक वर्ष के बाद समाप्त होगी।

यूपीएससी सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्षों के प्रश्न:

प्रश्न: नमिनलखिति में से कौन भारत सरकार के 'हरति भारत मशिन' के उद्देश्य का सबसे अच्छा वर्णन करता है? (2016)

1. संघ और राज्य के बजट में पर्यावरणीय लाभों और लागतों को शामिल करना जसिसे 'हरति लेखांकन' को लागू किया जा सके।
2. कृषि उत्पादन बढ़ाने हेतु दूसरी हरति क्रांति शुरू करना ताकि भविष्य में सभी के लिये खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।
3. अनुकूलन और शमन उपायों के संयोजन से वन आवरण को बहाल करना और बढ़ाना तथा जलवायु परिवर्तन का प्रतित्तर देना।

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2 और 3
- (c) केवल 3
- (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

- हरति भारत के लिये राष्ट्रीय मशिन, जसि हरति भारत मशिन (GIM) के रूप में भी जाना जाता है, जलवायु परिवर्तन पर भारत की राष्ट्रीय कार्य योजना के तहत उल्लिखित आठ मशिनों में से एक है। इसे फरवरी 2014 में लॉन्च किया गया था।
- **मशिन के लक्ष्य:**
 - वन/वृक्ष आच्छादन को 5 मिलियन हेक्टेयर (mha) तक बढ़ाना और वन/गैर वन भूमि के अन्य 5 mha पर वन/वृक्ष आवरण की गुणवत्ता में सुधार करना। वभिन्न वन प्रकारों और पारस्थितिक तंत्रों (जैसे, आर्द्रभूमि, घास के मैदान, घने जंगल, आदि) के लिये अलग-अलग उप-लक्ष्य मौजूद हैं। **अतः 3 सही है।**
 - मध्यम घने, खुले वन, अवक्रमित घास के मैदान और आर्द्रभूमि (5 मिलियन हेक्टेयर) सहति वनों/गैर-वनों की वनावरण और पारस्थितिकी तंत्र सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार।
 - उनमें से प्रत्येक के लिये अलग-अलग उप-लक्ष्यों के साथ स्क्वब, शफ्टिगि खेती क्षेत्रों, शीत मरुस्थल, मैंग्रोव, खड्डों और परतियक्त खनन क्षेत्रों (1.8 मिलियन हेक्टेयर) की पारस्थितिकी-पुनरस्थापना / वनीकरण।
 - शहरी / उपनगरीय भूमि में वन और वृक्षों के आवरण में सुधार (0.20 मिलियन हेक्टेयर)।
 - कृषि वानिकी/सामाजिक वानिकी के अंतर्गत सीमांत कृषि भूमि/परती और अन्य गैर-वन भूमि पर वन और वृक्ष आवरण में सुधार (3 मिलियन हेक्टेयर)।
 - ईको-सिस्टम सेवाओं जैसे कार्बन सीक्वेश्ट्रेशन और स्टोरेज (जंगलों और अन्य पारस्थितिक तंत्रों में), हाइड्रोलॉजिकल सेवाओं और जैव विविधता में सुधार / वृद्धि करना; प्रावधान सेवाओं के साथ-साथ ईंधन, चारा, और लकड़ी और गैर-लकड़ी वन उत्पाद (लघु वन उत्पाद या एमएफपी) आदि, जो उपचार के परणामस्वरूप 10 मिलियन हेक्टेयर की होने की उम्मीद है।
 - इन वन क्षेत्रों में और आसपास के लगभग 30 लाख परिवारों के लिये वन आधारित आजीविका आय में वृद्धि करना; और वर्ष 2020 तक वार्षिक CO₂ ज़ब्ती को 50 से 60 मिलियन टन तक बढ़ाना। दूसरी हरति क्रांति शुरू करना और केंद्र और राज्य के बजट में हरति लेखांकन को शामिल करना ग्रीन इंडिया मशिन का उद्देश्य नहीं है। **अतः 1 और 2 सही नहीं हैं।**

अतः विकल्प (c) सही उत्तर है।

स्रोत : द हिंदू

